

## Demand for a Joint Parliamentary Committee to examine irregularities and malpractices in Indian Premier League (IPL)

**श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा):** अध्यक्ष महोदया, आईपीएल का मामला दिनों-दिन बहुत गंभीर होता जा रहा है। समूचे प्रतिपक्ष की तरफ से जब यह मामला उठाया गया और नैतिकता के आधार पर एक राज्य मंत्री का इस्तीफा हो गया, तो लगता था कि मामला थम जाएगा। लेकिन अब तो सरकार के दो वरिष्ठ मंत्री शक के घेरे में आ गए हैं। उन पर गंभीर से गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं, पद के दुरुपयोग का आरोप है। किक बैक्स लेने का आरोप है। प्लेस तक डायवर्ट करने का आरोप मंत्रियों पर लगा है। जिस मंत्री ने इस्तीफा दिया, उन्होंने अपने व्यक्तिगत स्पष्टीकरण में यह मांग की थी कि इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। नेता सदन ने प्रतिपक्ष की मांग का जवाब देते हुए, सदन के भीतर खड़े होकर कहा कि हम जांच करने को तैयार हैं। लेकिन जिस तरह से यह घटनाक्रम चला है और वरिष्ठ मंत्री इस घेरे में आए हैं, तब से हमें यह लगने लगा है कि सरकार इस जांच में सत्य उजागर नहीं कर सकती। सरकार की जांच एजेंसियां इसमें सत्य उजागर नहीं कर सकती हैं, क्योंकि सरकार को तो अपनी कोएलिशन बचाने की चिंता है। सच को सामने लाने की चिंता नहीं है। उनका गठबंधन टूटन के कगार पर है। इसलिए देश चाहता है कि सत्य सामने आए और उसके लिए एक मांग जो पहले दिन से हम करते आ रहे हैं कि संसद की संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया जाए। एक जेपीसी बने जो इस पूरे मामले की छानबीन करे। यह तो एक ऐसा क्लोजेट बन गया है, जिसमें से स्कैलेटन निकल-निकल कर गिर रहे हैं। हर दिन एक नया स्कैलेटन सामने आ जाता है। इसलिए संसद की गरिमा को बचाने का तकाजा है, इस देश से भ्रष्टाचार मिटाने का तकाजा है कि संयुक्त संसदीय समिति का गठन सरकार माने। आपके माध्यम से यह समिति गठित हो और वह पूरे मामले की आमूल-चूल जांच करे ताकि समस्या का समाधान हो सके और देशवासियों के सामने सत्य सामने आ सके, सच को उजागर किया जा सके। मैं पूरे प्रतिपक्ष की तरफ से इस मांग को आपके सामने रखती हूँ कि संयुक्त संसदीय समिति का गठन जरूरी है।

**श्री शरद यादव (मधेपुरा):** अध्यक्ष महोदया, नेता प्रतिपक्ष ने जो कहा है, मैं उससे सहमत हूँ। मैं आपके माध्यम से प्रणब जी से निवेदन करना चाहता हूँ कि हिन्दुस्तान की संसद में राजनैतिक लोग तो एकाउंटेबल हैं। लेकिन इसमें बाहर के जो लोग आकंठ डूबे हुए हैं। आईपीएल के कमिश्नर के बारे में कई तरह की खबरें आ रही हैं, वह हुंकार करके, बहुत कुछ बोल रहे हैं। यहां से लेकर राजस्थान तक लूट मचा रखी है। सीधी बात यह है कि यहां के लोगों पर तो एकाउंटीबिलिटी होनी चाहिए, लेकिन पूरे देश में यह सारा घपला चलता रहा और खेल मंत्री जी विरोधी दल के किसी नेता की तरह ...(व्यवधान) \* बोलते रहे।...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** यह ऑब्जेक्शनेबल शब्द है। यह रिकार्ड में नहीं जाएगा।

\*(व्यवधान)

**श्री शरद यादव :** आपकी नाक के नीचे, यह सारा का सारा काम चलता रहे। ...(व्यवधान)

यदि मेरी कोई बात सही नहीं है तो उसे निकाल दीजिए, मुझे कोई आपत्ति नहीं है।...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप वरिष्ठ नेता हैं, इस प्रकार के शब्द मत बोलिए।

**श्री शरद यादव:** प्रणब बाबू, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि आप जेपीसी बनाइए। आप इसमें ठीक से आगे बढ़ें। जब आप अंदर आए हैं तब कहीं इसमें कुछ रास्ता बनना शुरू हुआ है। हमारा मन पूरी तरह से बैचन है कि यहां नौ एम.पी. निकाले गए हैं, एक मिनिस्टर नटवर सिंह जी गए। लेकिन बाहर जो लोग हैं, जितने तरह के लुटेरे हैं और जो आईपीएल है, ये तो लुटेरों का अड्डा है। उसमें हर तरह के दो नम्बर के लोग हैं, उसमें सट्टे का सबसे बड़ा आदमी है। मॉरिशियस से लेकर स्विस् बैंक तक सब तरह का पैसा यहां आया हुआ है। आप सदन के नेता हैं। आपके नाक के नीचे गिल साहब,...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया:** अब आप समाप्त करिए।

**श्री शरद यादव :** लेकिन क्या आपको बोलने के लिए बैठाया हुआ है, आपको एक्शन लेने के लिए बैठाया था। आपका कल मुंह खुला, पहले भी मुंह खुला, लेकिन उसे नोटिस में नहीं लिया गया।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से एक निवेदन करना चाहता हूँ कि यहां के लोगों को एकाउंटेबल करना है। जो सुषमा जी ने कहा, मैं उनकी बात से सहमत हूँ। यहां जे.पी.सी. बनाई जाए। पूरे सदन और देश को विश्वास तब होगा। यह मामला इतनी आसानी से खत्म होने वाला नहीं है। इसमें दो मंत्रियों का नाम आया है, लेकिन इन मंत्रियों के साथ जो बाहर के नाम हैं, उनके यहां रेड पड़ रही है, सब कुछ हो रहा है। फारूख साहब, आपकी सब लोग इज्जत करते हैं, आप जैसा साफ आदमी क्यों इधर से उधर हो रहा है, आप क्यों इनका पक्ष ले रहे हैं। आप सारी पोल को खोलने का काम करिए, क्योंकि आपको सब कुछ मालूम है।

अध्यक्ष महोदया, मैं इन्हीं शब्दों के साथ अपनी बात समाप्त करता हूँ। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ।

SHRI BASU DEB ACHARIA : Madam, everyday new facts are coming out. Startling revelations are there. There has been a large scale corruption and a number of people are involved. New names are coming out everyday in this regard. This is the biggest gambling in our country. This is not cricket, rather it is business. They have misused it and they have used the

Mauritius route to avoid taxes amounting to thousand crores of rupees and the Government is sleeping. The Government was sleeping. Was the Government not aware of such a murky deal taking place in the country and there was such a large scale corruption in the country in the name of cricket? From its inception, we have been demanding that unless there is a Joint Parliamentary Committee constituted, truth will not come out. In 1991, there was security scam in our country and the entire Opposition demanded a JPC. The Government acceded to our demand and a Joint Parliamentary Committee was constituted in 1991. There is an urgent need for such a Joint Parliamentary Committee now.

I would urge upon the Government, in order to find out the truth and fix up the responsibility of such a large scale corruption, that a Joint Parliamentary Committee should be constituted immediately and there should be a thorough probe to find out the truth in this murky deal and large scale corruption.

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): Madam, you will kindly remember that this issue was raised on last Monday by me and many other hon. Members of the House. What is the issue and why are we demanding a Joint Parliamentary Committee? Shri Pranab Mukherjee has ordered a Departmental Inquiry and that is going on. We have nothing to say on that. Let the official machinery take its own course.

But the issue is it is a massive scam, unparalleled in the history of independent India. It is an unimaginable violation of law and huge funds are involved. This was all taking place for the last two years under the nose of the Government.

I am sorry to inform the House that in a written official communication that the IT Department had sent to the Standing Committee on Finance – the Report of which was placed before the House – that no income tax assessment has been made as yet. The hon. Chairman of Standing Committee on Finance is present here. Not only that. They have also said that the income tax assessment will be made after 21 months.

I am a tax payer and my assessment is made every year. Why was the IPL granted this unpardonable privilege to get the assessment after 21 months? So, it is not that it has happened today. It was happening all along.

I would request the Government to kindly ponder over the failure of the agencies. It was continuing for two or three years. The IT Department says that they cannot make the assessment before 21 months. Therefore, it is a grave failure of the law enforcing agencies. Therefore, it has to be looked into.

Why do we demand JPC? I was a Member of the JPC constituted in 1991. My hon. Friend, Shri Jaswant Singh, was also a Member. At least two of us are here. We are demanding JPC because (1) it has a long hand; (2) it can utilise multiple agencies of the Government; and (3) JPC comprises Members from all the parties. It will not be a game of the Opposition. All political parties which are there in the House will be represented in JPC.

Therefore, that will be the only appropriate forum for investigation. This was accepted by the Government when Shri Narasimha Rao was the Prime Minister and when the present Prime Minister Dr. Manmohan Singh was the Finance Minister. It goes to the credit of Dr. Manmohan Singh that he had accepted the JPC in 1991. Now, he is the hon. Prime Minister. So, why should there be double standards? If Harshad Mehta episode had attracted JPC, why will the IPL not attract JPC? That is our basic point.

Lastly, the Government should come clear. It is in the interest of the Government and it is in the interest of the Ministry of Finance that they should come clean and prove before the country that they are for appropriate inquiry and that they are not going to save any political person who might be connected with this scam, whether they are Ministers or not.  
...(Interruptions)

MADAM SPEAKER: Now, we will take up Question Hour. Question No. 401. Shri Subhash Bapurao Wankhede.

...(Interruptions)

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद): क्या हमारी पार्टी की ओर से कोई नहीं बोलेगा?

अध्यक्ष महोदया : आपका नोटिस नहीं आया है।

â€(ल्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया प्रश्न-काल को चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री रेवती रमन सिंह : ऐसा कैसे हो सकता है कि सभी पार्टियों के माननीय सदस्य बोलें और हमारी पार्टी की ओर से कोई न बोले, हमें क्यों नहीं बुलवाया ? ... (व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : हमारे कहने का अर्थ ही क्या है, अगर सरकार रिस्पांड नहीं करेगी। ... (व्यवधान)

MADAM SPEAKER: The hon. Leader of the House would like to say something. Please sit down.

...(Interruptions)

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): You are demanding a reply from me, but when I get up to reply, you are also getting up. ... (Interruptions)

MADAM SPEAKER: Hon. Members, please sit down.

...(Interruptions)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Hon. Members, you demanded that I should respond. I got up to respond, but still you are on your legs. What is the point in it? ... (Interruptions)

MADAM SPEAKER: Please sit down.

...(Interruptions)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: When the Leader of the Opposition speaks, I can understand it because the hon. Speaker has allowed her to speak. But if everybody wants to speak, then it is not possible.

My most respectful submission is that I do not get the notice for suspension of Question Hour. Hon. Speaker gets it and a copy is given to the hon. Minister of Parliamentary Affairs. I was told that notice for suspension of Question Hour has been given by some hon. Members and that they are going to raise the issue of establishment of Joint Parliamentary Committee in respect of IPL. When the hon. Members raised this issue of IPL on the other day, in response to them, though not immediately, I came and said that we have already instructed the Department and the agencies concerned to carry on the raids. Now, the hon. Members have raised this issue again. I have noted everybody's suggestions.

In these matters, decisions are taken after due diligence and after due consideration. It cannot be an instant reaction like an instant coffee. Therefore, the Government will have to ponder over it.

I will communicate the sentiments of the hon. Members to the hon. Prime Minister. As and when the Government takes a decision, we will come to the Parliament. This is a parliamentary matter. Still the Parliament Session is continuing. Let us wait for some more time.

MADAM SPEAKER: Thank you. It is over now.

Question No. 401, Shri Subhash Bapurao Wankhede.

...(Interruptions)

MADAM SPEAKER: Hon. Member, you have already spoken. Please let us continue with the Question Hour.

...(Interruptions)

MADAM SPEAKER: Hon. Members, please sit down.

---

(Q. NO.401)

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। आप बोल चुके हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री सुभाष बापूराव वानखेडे : मैडम, इस देश के अंदर जहरीली शराब और नकली शराब...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बोल चुके हैं। आप बैठ जाइए और प्रश्न काल चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री सुभाष बापूराव वानखेडे : मिलावट करने वालों ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : क्वेश्चन आवर को चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री सुभाष बापूराव वानखेडे : उनका जो धंधा है, यह बहुत बढ़ गया है। ...(व्यवधान) इसलिए मैं सरकार को ...(व्यवधान)..करता हूं कि देश के हर राज्य में नकली और जहरीली शराब बनाने और बेचने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। ...(व्यवधान) क्या इसकी जानकारी सरकार को है?

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

**11.19 hrs.**

*At this stage Shri Shailender Kumar and some other hon. Members come and stood on the floor near the Table.*

अध्यक्ष महोदया : आप वापस जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Shri Subhash Bapurao Wankhede, you please put your first supplementary question.

â€¦(व्यवधान)

श्री सुभाष बापूराव वानखेडे: अध्यक्ष महोदय, इस देश के नौजवानों को सरकार बचाना चाहती है तो जिस करीना ब्रांड की शराब पीकर सैंकड़ों जानें गईं, ...(व्यवधान) क्या सरकार उस करीना ब्रांड की कम्पनी को बंद करने और उसका लाइसेंस जब्त करने की कार्रवाई करेगी?... (व्यवधान) देश के हर राज्य में नकली और जहरीली शराब बनाने और बेचने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है।...(व्यवधान) क्या सरकार के पास इसकी जानकारी है? ...(व्यवधान) अगर है तो सरकार इस संबंध में क्या कदम उठा रही है और स्थानीय पुलिस अधीक्षक और जिला कलेक्टर का इसमें क्या उत्तरदायित्व है?... (व्यवधान)

मैं सरकार से अपील करता हूं कि देश के हर राज्य में चलने वाला नकली शराब का धंधा बंद करने के लिए सरकार कोई ऐसा कानून बनाए जिससे नकली शराब बनाने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और उनसे उचित जुर्माना लिया जाए।...(व्यवधान) क्या सरकार ऐसा कोई कानून बनाने पर विचार कर रही है?... (व्यवधान)

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 12 noon.

11.21 hrs

**The Lok Sabha then adjourned till Twelve of the Clock.**

---